सत्र 2021–22

नियमित परीक्षार्थियों हेतु

एम.ए. (तबला) तृतीय सेमेस्टर

प्रथम प्रश्न पत्र–भारतीय संगीत का इतिहास

समय 3 घण्टे

अंक योजना		
मिड टर्म	एण्ड टर्म	कुल अंक
30 न्यूनतम उत्तीर्णांक 36%	70 न्यूनतम उत्तीर्णांक 36%	100

इकाई–1

1 अवनद्ध वाद्यों का इतिहास, संगीत में उनकी उपयोगिता एवं महत्व।

2 अवनद्ध वाद्यों का बनावट आकार तथा निर्माण सामग्री के आधार पर विवेचन।

इकाई–2

1 भारतीय संगीत का इतिहास मध्ययुग (13वीं शताब्दी से वर्तमान युग तक)

2 तबला वादन में घरानों की आवश्यकता, उपयोगिता एवं महत्व तथा वर्तमान युग में घरानों की प्रासंगिकता।

इकाई–3

1. लोक संगीत की व्याख्या तथा लोक संगीत में प्रचलित निम्नलिखित अवनद्ध तथा घन वाद्यों का सचित्र वर्णन :–

(अ) ढोलक, नाल, नगाडा, टिमकी, चिमटा, झांझ।

(ब) खोल, ताशा, मांदल, डफ, हुडुक्का, मंजीरा, चिपली।

इकाई–4

1 उत्तर भारतीय ताल–पद्धति के विकास का अध्ययन।

2 दिये गये संगीत संबंधी विषय पर न्यूनतम 200 शब्दों में निबंध लेखन।

इकाई–5

1 निम्नलिखित पुस्तकों की विशेषताओं का अध्ययन :–

(अ) भारतीय संगीत वाद्य, तबला वादन–कला एवं शास्त्र, भारतीय तालों का शास्त्रीय विवेचन। (ब) पखावज और तबला वादन के घराने और परम्पराएँ, ताल कोष, तबले का उदगम, विकास एवं वादन शैलियॉ।

सत्र 2021–22
नियमित परीक्षार्थियों हेतु
एम.ए. (तबला) तृतीय सेमेस्टर
द्वितीय प्रश्न पत्र–संगीत के क्रियात्मक सिद्धांत

समय 3 घण्टे

अंक योजना		
मिड टर्म	एण्ड टर्म	कुल अंक
30 न्यूनतम उत्तीर्णांक 36%	70 न्यूनतम उत्तीर्णांक 36%	100

इकाई–1

1 एकल तबला वादन के संदर्भ में ताल का चयन, सामग्री चयन, बंदिशों का क्रम, नग्मा (लहरा) का महत्व।

2 एक सुंदर एवं सफल सांगीतिक प्रस्तुति में मंच सज्जा, ध्वनि एवं प्रकाश व्यवस्था, रंग एवं वेशभूषा का महत्व।

इकाई–2

1 संगीत में क्लिष्ट एवं अप्रचलित तालों की उपयोगिता पर विचार।

2 पेशकार, कायदा तथा रेला के रचना सिद्धांतों का विस्तृत विवेचन एवं उनका पारस्परिक तुलनात्मक अध्ययन।

इकाई–3

1 ताल के दस प्राणों का विस्तृत अध्ययन एवं वर्तमान संदर्भ में उसकी व्याख्या।

2 दिये गये बोलों के आधार पर त्रिताल, झपताल, एकताल, रूपक, रूद्र, सवारी (15 मात्रा), आडाचौताल एवं बसंत तालों में विभिन्न रचनाएँ बनाकर तालिपि में लिखना।

इकाई–4

1 वर्तमान तालों का विकास एवं इतिहास।

2 सुगम संगीत के तालों का विकास एवं इतिहास।

इकाई–5

1 तालमय ध्वनि का वैज्ञानिक विश्लेषण।

2 चर–अचर प्राणियों पर तालमय ध्वनि का प्रभाव।

सत्र 2021–22
नियमित परीक्षार्थियों हेतु
एम.ए. (तबला) तृतीय सेमेस्टर
प्रायोगिक
वायवा

अंक योजना		
मिड टर्म	एण्ड टर्म	कुल अंक
30 न्यूनतम उत्तीर्णांक 36%	70 न्यूनतम उत्तीर्णांक 36%	100

1. पिछले पाठयक्रमों की पुनरावृत्ति।
2. त्रिताल, झपताल, रूपक, एकताल, के अतिरिक्त आडाचौताल, ग्यारह एवं नौ मात्रा में स्वतंत्र वादन।
3. पाठ्यक्रम के तालो को विभिन्न लयकारियों में बजाने का अभ्यास।
4. तिलवाडा, झूमरा, एकताल आडाचौताल को विलंबित लय में बजाने की क्षमता।
5. लखनऊ एवं बनारस घराने की बंदिशों का विशेष ज्ञान व बजाने की क्षमता।
6. शास्त्रीय गायन एवं वादन में संगत का अभ्यास।

एम.ए. तबला (तृतीय) सेमेस्टर
मंच प्रदर्शन

अंक योजना		
मिड टर्म	एण्ड टर्म	कुल अंक
30 न्यूनतम उत्तीर्णांक 36%	70 न्यूनतम उत्तीर्णांक 36%	100

आमंत्रित श्रोताओं के समक्ष।

1. त्रिताल, झपताल, रूपक, एकताल में से किसी एक ताल का 20 मिनिट वादन।
2. आडाचौताल, ग्यारह, नौ में से किसी एकताल का परीक्षक के निर्देशानुसार 15 मिनिट वादन।
3. तबला वाद्य को स्वर में मिलाने का ज्ञान।

//संदर्भित पुस्तकें//

1. पखावज एवं तबला के घराने एवं परम्पराएँ : डॉ. अबान मिस्त्री
2. भारतीय ताल वाद्य : डॉ. लालमणि मिश्र
3. तबले का उद्‌गम, विकास एवं वादन शैलियॉ : डॉ. योगमाया शुक्ल
4. तबला : श्री अरविंद मुलगॉवकर
5. प्रमुख ताल वाद्य पखावज एवं तबले की परंपराएँ : डॉ. मोहिनी वर्मा
6. ताल शास्त्र : डॉ. जमुना प्रसाद पटेल
7. भारतीय संगीत शास्त्रों में वाद्यों का चिंतन : डॉ. अंजना भार्गव
8. भारतीय तालों का शास्त्रीय विवेचन : डॉ. अरूण कुमार सेन